# Computer Proficiency Certification Test

**Notations :**

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

| | |
|---|---|
| **Question Paper Name:** | REMINGTON GAIL 16th February 2019 S2 |
| **Subject Name:** | Remington GAIL |
| **Creation Date:** | 2019-02-16 17:14:59 |
| **Duration:** | 25 |
| **Share Answer Key With Delivery Engine:** | Yes |
| **Actual Answer Key:** | Yes |
| **Calculator:** | None |
| **Magnifying Glass Required?:** | No |
| **Ruler Required?:** | No |
| **Eraser Required?:** | No |
| **Scratch Pad Required?:** | No |
| **Rough Sketch/Notepad Required?:** | No |
| **Protractor Required?:** | No |
| **Show Watermark on Console?:** | Yes |
| **Highlighter:** | No |
| **Auto Save on Console?:** | No |

## Mock

| | |
|---|---|
| **Group Number :** | 1 |
| **Group Id :** | 201298103 |
| **Group Maximum Duration :** | 10 |
| **Group Minimum Duration :** | 10 |
| **Revisit allowed for view? :** | No |
| **Revisit allowed for edit? :** | No |
| **Break time:** | 1 |
| **Mandatory Break time:** | Yes |
| **Group Marks:** | 0 |

## Hindi Typing Test

| | |
|---|---|
| **Section Id :** | 201298199 |
| **Section Number :** | 1 |
| **Section type :** | Typing Test |
| **Mandatory or Optional:** | Mandatory |
| **Number of Questions:** | 1 |
| **Number of Questions to be attempted:** | 1 |
| **Section Marks:** | 0 |
| **Display Number Panel:** | Yes |
| **Group All Questions:** | No |

| | |
|---|---|
| **Sub-Section Number:** | 1 |

**Sub-Section Id:** 201298199
**Question Shuffling Allowed :** No

**Question Number : 1 Question Id : 2012981903 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes**
एक बार की बात है, अकबर और बीरबल शिकार पर जा रहे थे। अभी कुछ समय हुआ था कि उन्हें एक हिरण दिखा। जल्दबाजी में तीर निकलते हुए अकबर अपने हाथ पर घाव लगा बैठा। अब हालात कुछ ऐसे थे कि अकबर बहुत दर्द में था और गुस्से में भी।

**Restricted/ Unrestricted:** Unrestricted
**Paragraph Display:** Yes
**Evaluation Mode:** Non Standard
**Keyboard Layout:** Remington
**Show Details Panel:** Yes
**Show Error Count:** Yes
**Highlight Correct or Incorrect Words:** Yes
**Allow Back Space:** Yes
**Show Back Space Count:** Yes

Actual

**Group Number :** 2
**Group Id :** 201298104
**Group Maximum Duration :** 15
**Group Minimum Duration :** 15
**Revisit allowed for view? :** No
**Revisit allowed for edit? :** No
**Break time:** 0
**Group Marks:** 0

Hindi Typing Test

**Section Id :** 201298200
**Section Number :** 1
**Section type :** Typing Test
**Mandatory or Optional:** Mandatory
**Number of Questions:** 1
**Number of Questions to be attempted:** 1
**Section Marks:** 0
**Display Number Panel:** Yes
**Group All Questions:** No

**Sub-Section Number:** 1
**Sub-Section Id:** 201298200
**Question Shuffling Allowed :** No

**Question Number : 2 Question Id : 2012981904 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes**

खुशियां हर किसी के जीवन में बहार लाती हैं, इसलिए सभी अपने जीवन में खुशियां चाहते हैं और खुशी पाने के लिए कोई भी काम करना पसंद करते हैं, लेकिन मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो खुशियां आंतरिक होती हैं। बाहरी वस्तुएं एवं परिस्थितियां हमें जो खुशी देती हैं वह अस्थायी होती है। यदि स्थायी खुशी की तलाश करनी है तो उसे अपने भीतर ही खोजना होगा। खुशियों का खजाना कहीं बाहर नहीं मनुष्य के अंदर छुपा होता है, उसके दृष्टिकोण यानी मनोवृत्तिएवं उसकी समझ और उसके संतोष में। जीवन में बहुत सी ऐसी छोटी-छोटी चीजें होती हैं जिनसे हम खुशी से लबालब कर सकते हैं, लेकिन हम उन्हें कोई महत्व नहीं देते और अपने खुश रहने के क्षणों को गंवा देते हैं। खुशी उनसे दूर भागती है जो हर क्षण चिंता, परेशानी व तनाव में होते हैं। ऐसे व्यक्ति खुशियों के अवसर में भी खुश नहीं रह पाते क्योंकि वे पहले से ही नकारात्मक तत्वों से भरे होते हैं। जैसे पानी से भरे हुए गिलास में और पानी नहीं डाला जा सकता, उसी तरह तनाव, चिंता से लबालब भरे हुए व्यक्तियों के अंदर खुशियां नहीं डाली जा सकतीं। खुशियां चाहिए तो ग्रहणशील बनना होगा, खुशियों के अवसरों को पहचानना होगा और उन्हें स्वीकारना होगा। खुशियां मीठे पानी की तरह होती हैं जो हमें अंदर से तृप्तकरती हैं। जिसे तरह संसार में नदियां बहती हैं, झरने बहते हैं, तालाब होते हैं, कुए होते हैं, उसी तरह संसार में खुशियों की भी लहरें हैं, झरने हैं। जिस तरह नहीं झरनों से पानी पीने के लिए हमें उन के समीप जाना जरूरी होता हैलेकिन यदि हमारे पास कुंआ है तो हम जब चाहे अपनी प्यास बुझा सकते हैं। उसी प्रकार खुशियों के लिए यदि हम बाहरी स्त्रोतों व तत्वों पर निर्भर है तो हमें उनका इंतजार करना होता है लेकिन यदि कुंए की तरह खुशी का स्त्रोत हम अपने भीतर तलाश लेते हैं तो हमें कहीं भटकन की जरूरत नहीं होती है। खुशी पाने के लिए हम क्या-क्या नहीं करते, लेकिन फिर भी हम वह खुशी हासिल नहीं कर पाते जिसकी हमें चाह होती है, इसलिए हम अतृप्तही रह जाते हैं। यदि खुशी मिलती भी है, तो अल्पसमय के लिए, फिरहम जहां थे वहीं रह जाते हैं। कभी-कभी हम एक ही तरह की जिंदगी जीते-जीते नीरस और उदास महसूस करने लगते हैं, लेकिन फिर भी ऐसी जिंदगी से दुखी नहीं होते, क्योंकि जब हम किसी उद्देश्य से किसी काम में लगे रहते हैं तो हमें जिंदगी नीरस नहीं लगती क्योंकि उद्देश्य पूरा करने में हम कभी भी एक ही तरह से कार्य नहीं करते वरन् कार्य को विभिन्न तरह से करते हैं और अपनी जिंदगी में खूबसूरत अनुभवों के रंग भरते हैं, जिनसे हमें खुशी यऔर शांतिमिलता है।

**Restricted/ Unrestricted:** Unrestricted
**Paragraph Display:** Yes
**Evaluation Mode:** Non Standard
**Keyboard Layout:** Remington
**Show Details Panel:** Yes
**Show Error Count:** Yes
**Highlight Correct or Incorrect Words:** Yes
**Allow Back Space:** Yes
**Show Back Space Count:** Yes